

द्रव्यसंग्रह

DRAVYASANGRAHA

आ. नेमिचन्द्र · १०वीं शती · अभिलेख ४९/९०

श्री प्रभाचन्द्राचार्य-१

→

आ. नेमिचन्द्र

→

श्री भानुनन्दिस्वामी

संक्षिप्त परिचय

आचार्य नेमिचन्द्र कृत — मात्र अष्टावन प्राकृत गाथाओं में छह द्रव्य, सात तत्त्व, और मोक्षमार्ग का सुगठित संग्रह; प्रारम्भिक स्वाध्याय का सर्वप्रिय ग्रन्थ।

ब्रह्मदेव की संस्कृत वृत्ति इस पर प्रसिद्ध है।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

द्रव्यसंग्रह — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ४९ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता आ. नेमिचन्द्र; रचना-काल १०वीं शती (लगभग)। आचार्य-समयानुक्रमणिका (क्रमांक ९४) के अनुसार इनका समय ५५६-५६५ है तथा गुरु श्री प्रभाचन्द्राचार्य-१। इसी लेखनी से गोमटसार जीवकाण्ड, गोमटसार कर्मकाण्ड, लब्धिसार, क्षपणासार, त्रिलोकसार, जीवतत्त्वप्रदीपिका भी इस सूची में सम्मिलित हैं। समकालीन ग्रन्थों में चन्द्रप्रभचरित, प्रद्युम्नचरित, गद्यचिन्तामणि, क्षत्रचूडामणि, यशस्तिलकचम्पू, नीतिवाक्यामृत परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

गोमटसार जीवकाण्ड

गोमटसार कर्मकाण्ड

लब्धिसार

क्षपणासार

त्रिलोकसार

जीवतत्त्वप्रदीपिका

समकालीन ग्रन्थ

चन्द्रप्रभचरित

प्रद्युम्नचरित

गद्यचिन्तामणि

क्षत्रचूडामणि

यशस्तिलकचम्पू

नीतिवाक्यामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗

जैनकोश ↗

Archive.org ↗

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ४९ — मूल छायाचित्र

← गोम्मतसार कर्मकाण्ड

लब्धिसार →

श्रुतधारा · ग्रन्थ ४९/९० · स्रोत: ९०-ग्रन्थ कालानुक्रमिक सूची (मुमुक्षु)